

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 589]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, जुलाई 1, 2004/आषाढ़ 10, 1926

No. 589]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 1, 2004/ASADHA 10, 1926

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 2004

का.आ. 757(अ).—केन्द्र सरकार, विजय व्यापार चेम्बर लि., मुजफ्फरनगर द्वारा मान्यता के लिए अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अंतर्गत दिए गए आवेदन पत्र पर, वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एक्सचेंज को 1 जुलाई, 2004 से 30 जून, 2007 (दोनों दिन सम्मिलित) तक की तीन वर्ष तक की अवधि के लिए रैपसीड/सरसों में अग्रिम संविदाओं के संबंध में मान्यता प्रदान करती है।

इसके द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त एक्सचेंज वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निर्देशों का अनुपालन करेगा।

[फा. सं. 12/17/आईटी/2001]

डी. के. मुखोपाध्याय, आर्थिक सलाहकार

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND
PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2004

S.O. 757(E).—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for grant of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Vijai Beopar Chamber Ltd., Muzaffarnagar and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a period of three years from 1st July, 2004 to 30th June, 2007 (both days inclusive) in respect of forward contracts in Rapeseed/Mustard seed.

The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions, as may, from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F.No. 12/17/IT/2001]

D. K. MUKHOPADHYAY, Economic Adviser